



---

---

---

---

---

---

---



---

---

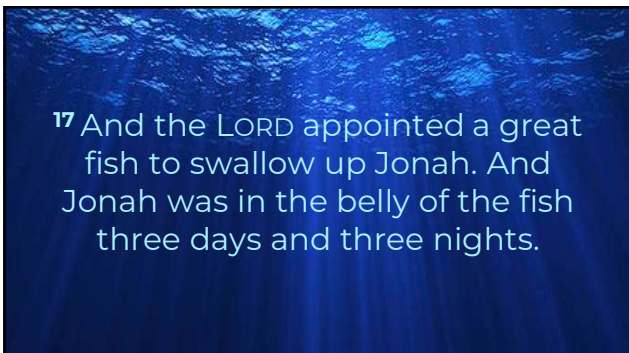
---

---

---

---

---



---

---

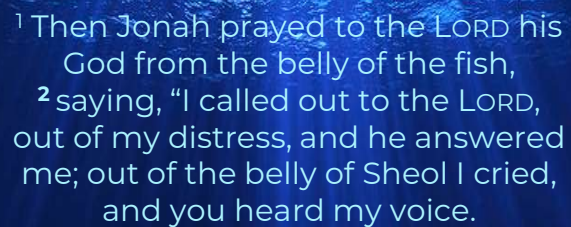
---

---

---

---

---



<sup>1</sup> Then Jonah prayed to the LORD his  
God from the belly of the fish,  
<sup>2</sup> saying, "I called out to the LORD,  
out of my distress, and he answered  
me; out of the belly of Sheol I cried,  
and you heard my voice.

---

---

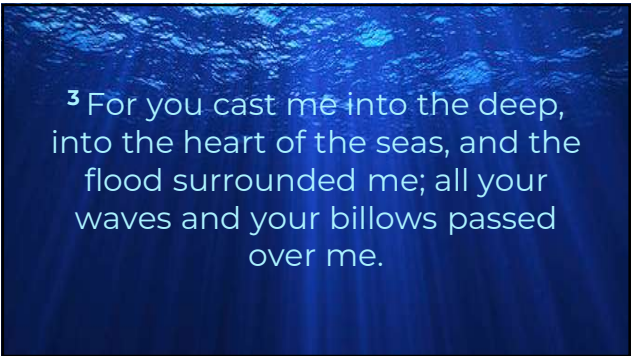
---

---

---

---

---



<sup>3</sup> For you cast me into the deep,  
into the heart of the seas, and the  
flood surrounded me; all your  
waves and your billows passed  
over me.

---

---

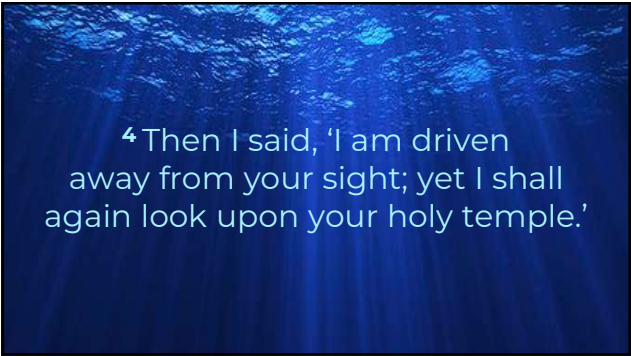
---

---

---

---

---



<sup>4</sup> Then I said, 'I am driven  
away from your sight; yet I shall  
again look upon your holy temple.'

---

---

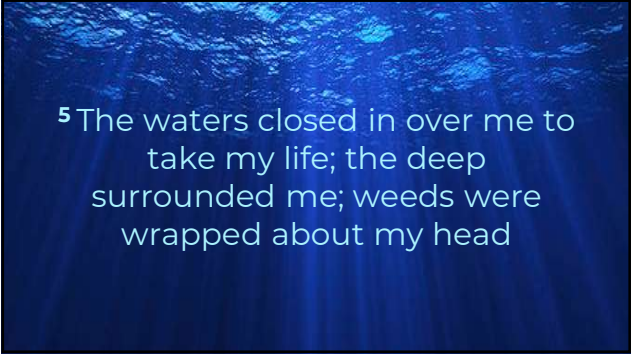
---

---

---

---

---



<sup>5</sup> The waters closed in over me to  
take my life; the deep  
surrounded me; weeds were  
wrapped about my head

---

---

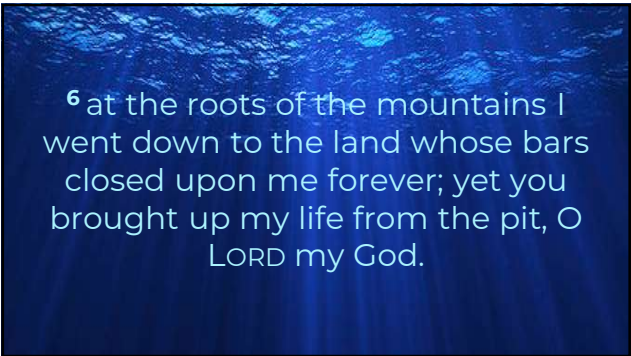
---

---

---

---

---



<sup>6</sup> at the roots of the mountains I  
went down to the land whose bars  
closed upon me forever; yet you  
brought up my life from the pit, O  
LORD my God.

---

---

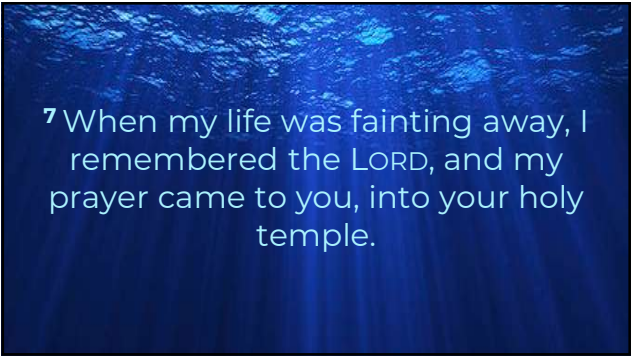
---

---

---

---

---



<sup>7</sup> When my life was fainting away, I  
remembered the LORD, and my  
prayer came to you, into your holy  
temple.

---

---

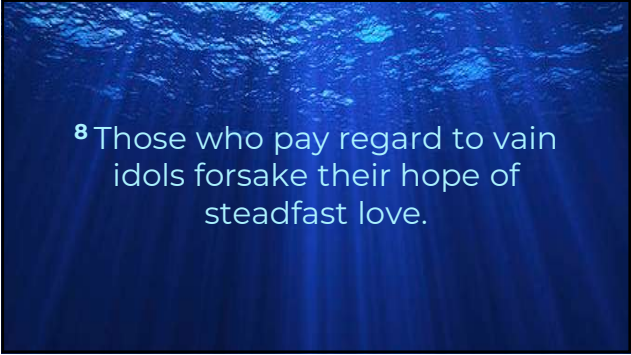
---

---

---

---

---



<sup>8</sup> Those who pay regard to vain  
idols forsake their hope of  
steadfast love.

---

---

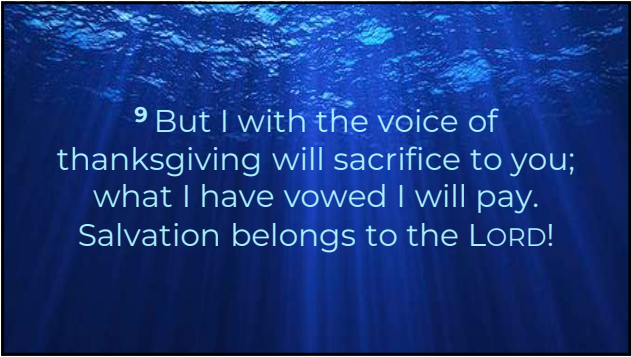
---

---

---

---

---



<sup>9</sup> But I with the voice of  
thanksgiving will sacrifice to you;  
what I have vowed I will pay.  
Salvation belongs to the LORD!

---

---

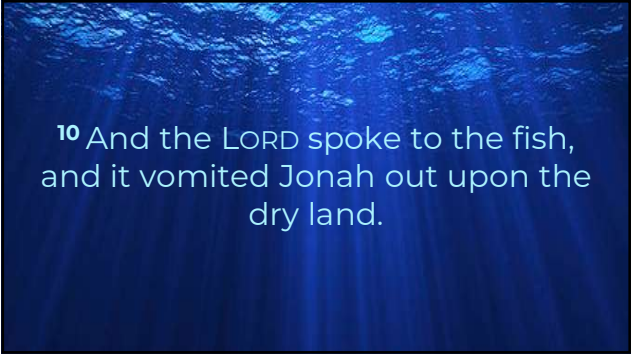
---

---

---

---

---



<sup>10</sup> And the LORD spoke to the fish,  
and it vomited Jonah out upon the  
dry land.

---

---

---

---

---

---

---



## **Three Unchanging Truths about God**

---

---

---

---

---

---

---



## **God Never Loses Control.**

<sup>17</sup> And the LORD appointed a great fish  
to swallow up Jonah.

---

---

---

---

---

---

---



## **God's Control In Jonah's Chaos**

God Hurlled the Wind	<b>V. 4</b>
God Revealed Jonah's Guilt	<b>V. 7</b>
God Appointed the Fish	<b>V. 17</b>
God Cast Jonah into the Deep	<b>V.3</b>
God Controlled the Billows	<b>V. 3</b>
God Commanded the Fish	<b>V. 10</b>

---

---

---

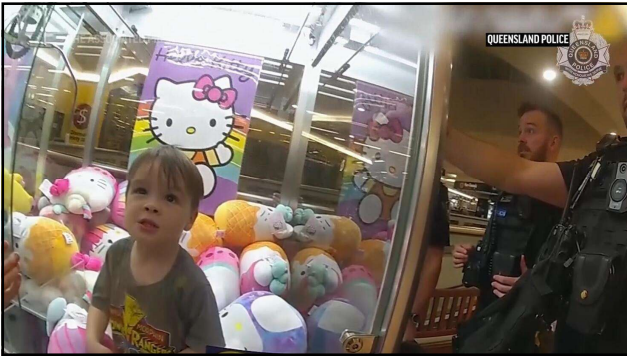
---

---

---

---





---

---

---

---

---

---

---

### God Never Fails to See.

<sup>1</sup> Then Jonah prayed to the LORD his God from the belly of the fish, <sup>2</sup> saying, "I called out to the LORD, out of my distress, and he answered me; out of the belly of Sheol I cried, and you heard my voice.

---

---

---

---

---

---

---

### God Never Forgets His Own.

<sup>7</sup> When my life was fainting away, I remembered the LORD, and my prayer came to you, into your holy temple.

---

---

---

---

---

---

---



**If God Loves & Listens to  
Jonah, He'll do it for You.**

**Remember the Lord. He  
Remembers You.**

---

---

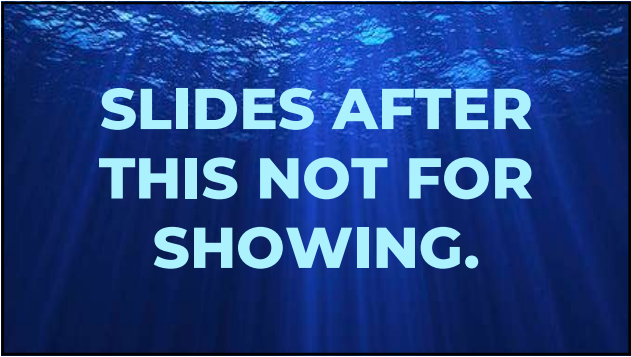
---

---

---

---

---



**SLIDES AFTER  
THIS NOT FOR  
SHOWING.**

---

---

---

---

---

---

---